आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–17 मई 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से पाकिस्तान को वित्तीय सहायता देने पर पुनर्विचार करने का किया अनुरोध, कहा–अभी खत्म नहीं हुआ है ऑपरेशन सिंदूर।
- गृह मंत्री ने देश की सुरक्षा के लिए बने नए मल्टी एजेंसी सेंटर का किया उद्घाटन, कहा–प्रधानमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों से प्राप्त सटीक जानकारी और सशस्त्र बलों की अचूक मारक क्षमता का अनूठा प्रतीक है ऑपरेशन सिंदूर।
- राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने संस्कृत के विद्वान स्वामी रामभद्राचार्य को नई दिल्ली में ज्ञानपीठ पुरस्कार दो हजार तेईस से किया सम्मानित।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंचाई और जल संसाधन विभाग की समीक्षा की, कहा–पंद्रह जून से पहले पूरी कर ली जाएं बाढ़ से बचाव की सभी परियोजनाएं।

****

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ अब भारत की लड़ाई सिर्फ सुरक्षा का मामला नहीं रहा बल्कि यह राष्ट्रीय रक्षा नीति का हिस्सा बन गया है। गुजरात के भुज वायुसेना स्टेशन पर कल सैनिकों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत इस हाइब्रिड और छद्म युद्ध को जड़ से खत्म कर देगा। श्री सिंह ने कहा कि इस संघर्ष–विराम का मतलब है कि भारत ने पाकिस्तान को उसके व्यवहार के आधार पर प्रोबेशन पर रखा है। रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है।

साथियों ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि हमने शांति के लिए जितना अपना दिल खोल कर रखा है शांति को नष्ट करने वालों की विरुद्ध उतना ही अपना हाथ भी खोल कर रखा है एक और बात में यहां साफ कहना चाहूंगा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, जो कुछ भी हुआ वो सिर्फ एक ट्रेलर मात्र था। अब जब भी सही समय आयेगा तो हम पूरी पिक्चर भी दुनिया को दिखाएंगे।

श्री सिंह ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से पाकिस्तान को वित्तीय सहायता देने पर पुनर्विचार करने का भी अनुरोध किया, क्योंकि पाकिस्तान ने फिर से अपने आतंकी ढांचे का पुनर्निर्माण शुरू कर दिया है।

****

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों से प्राप्त सटीक जानकारी और तीनों सशस्त्र बलों की अचूक मारक क्षमता का अनूठा प्रतीक है। नई दिल्ली में कल नए मल्टी एजेंसी सेंटर का शुभारंभ करते हुए श्री शाह ने कहा कि भारत को तीनों सशस्त्र सेनाओं, सीमा सुरक्षा बल और सभी सुरक्षा एजेंसियों पर गर्व है। एक रिपोर्ट–

इस नए मल्टी एजेंसी सेंटर का निर्माण, पांच सौ करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। इस सेंटर का मुख्य उद्देश्य, विभिन्न खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों के बीच, समन्वय स्थापित करना है, ताकि आतंकवाद और अन्य सुरक्षा खतरों से निपटने में तेजी लाई जा सके। इस मल्टी एजेंसी सेंटर के माध्यम से, डेटा विश्लेषण की गुणवत्ता और सुनिश्चित होगी, जिससे सटीक और समयबद्ध विश्लेषण संभव हो सकेगा। इसके अलावा यह केंद्र, देश की मजबूत आंतरिक सुरक्षा ग्रिड के रूप में काम करेगा और आतंकवाद, उग्रवाद और साइबर हमलों जैसे गंभीर खतरों से निपटने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देगा। दीपेन्द्र कुमार, आकाशवाणी समाचार दिल्ली।

****

आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उत्साह के बीच आकाशवाणी समाचार ने विशेष श्रंखला शुरू की है। इसी क्रम में हम परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज कुमार पांडे को स्मरण कर रहे हैं, जिन्होंने कारगिल युद्ध के दौरान देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था। प्रस्तुत है एक रिपोर्ट–

उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के निवासी कैप्टन मनोज कुमार पांडेय ने राष्ट्र रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त किया और उन्हें फर्स्ट बटेलियन ग्यारहवीं गोरखा राइफल्स में लेफ्टिनेंट के रूप में नियुक्त किया गया। कैप्टन पांडेय ने ऑपरेशन विजय के दौरान हमेशा आगे बढ़कर अपने सैनिकों का नेतृत्व किया और जुबरटॉप जैसी कई चोटियों पर दोबारा कब्जा किया। उनके शब्द अगर मेरे खून का सबूत देने से पहले मौत आती है, तो मैं कसम खाता हूं कि मैं मौत को मार डालुंगा। उनके अटूट दृढ संकल्प और साहस की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति थी। दो और तीन जुलाई 1999 की रात को खालुवाल की ओर बढ़ने के दौरान जब उनकी पलटन अपने अंतिम लक्ष्य के करीब पहुंची तो इसको आसपास की ऊंचाईयों से भारी गोलाबारी का सामना करना पड़ा। कैप्टन पांडेय ने निडरता से दुश्मन के ठिकाने पर हमला किया और अपनी गंभीर चोटों की परवाह किये बिना उन्होंने अपने जवानों को प्रेरित

करते हुए हमले का नेतृत्व करना जारी रखा। कैप्टन पांडेय की इस अनोखी साहसिक कार्य के परिणामस्वरूप अंततः खालुवाल पर कब्जा कर लिया गया। हालांकि वो अपनी चोटों के कारण वीरगति को प्राप्त हुए। कैप्टन मनोज कुमार पांडेय ने दुश्मन के सामने बहादुरी, अदम्य साहस, अनुकरणीय वीरता, उत्कृष्ट नेतृत्व और असाधारण उच्च कोटि की कर्तव्यनिष्ठा दिखाई और सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्हें मरणोपरान्त परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। राष्ट्र उन्हें सलाम करता है। अनुपम मिश्र, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। इसी क्रम में कल बदायूं में केन्द्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने भारतीय शौर्य तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया। वहीं कुशीनगर जिले में प्रदेश के नगर विकास मंत्री ए के शर्मा और अमरोहा में सांसद चौधरी कंवर सिंह शौर्य तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। प्रदेश के कन्नौज, पीलीभीत, सुल्तानपुर, रायबरेली और मऊ समेत कई अन्य जिलों में भी कल भारतीय शौर्य तिरंगा यात्रा के आयोजन किये गये।

****

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कल नई दिल्ली में संस्कृत के विद्वान स्वामी रामभद्राचार्य को अट्ठावनवें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया। स्वामी रामभद्राचार्य और उर्दू शायर तथा गीतकार गुलजार को वर्ष दो हजार तेईस ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए चुना गया था। गुलजार अस्वस्थ होने के कारण पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो सके। स्वामी रामभद्राचार्य ने पुरस्कार प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके साहित्यिक अवदान को मान्यता मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये स्वामी रामभद्राचार्य को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलने पर शुभकामनाएं दी हैं।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पन्द्रह जून से पहले बाढ़ से बचाव की सभी परियोजनाएं पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रत्येक परियोजना गुणवत्ता के साथ समय से पूरी की जाए ताकि मानसून के दौरान बाढ़ के प्रभाव को न्यूनतम किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कल लखनऊ स्थित अपने आवास पर सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की समीक्षा के दौरान ये निर्देश दिए। एक रिपोर्ट–

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ से बचाव की दीर्घकालिक रणनीति में नदी ड्रेजिंग और चैनलाइजेशन ही सबसे प्रभावी समाधान है। उन्होंने कहा कि वर्ष दो हजार अट्ठारह से दो हजार पचीस के बीच साठ नदियों की ड्रेजिंग कराई गयी जिससे चार लाख सात हजार हेक्टेएयर कृषि भूमि को लाभ मिला है और तेइस लाख से अधिक जनसख्या को राहत मिली है। श्री योगी ने बताया कि आठ वर्षो में सोलह सौ पैंसठ बाढ़ परियोजनाए पूरी की गयी। जिससे चालीस लाख बहत्तर हजार हेक्टेएयर कृषि भूमि को सुरक्षा प्राप्त हुई और तीन सौ उन्नीस लाख से अधिक की आबादी लाभान्वित हुयी है। मुख्यमंत्री ने नदी पुनरूद्धार अभियान को युद्ध स्तर पर चलाने के निर्देश दिये हैं और कहा है कि सिंचाई, राजस्व, नमामि गंगे और नगर विकास विभाग आपसी समन्वय बनाकर लुप्तप्राय नदियों को पुनर्जीवित करें। समाचार कक्ष से मैं अरूण।

****

सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा के वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी है। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने प्रदेश सरकार को मंदिर के फिक्स्ड डिपॉजिट से पांच सौ करोड़ रुपये की लागत से पांच एकड़ जमीन खरीदने की अनुमति दी है। यह जमीन ठाकुर बांके बिहारी जी के नाम पर रजिस्टर होगी।

****

केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने कल लखनऊ में ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने मनरेगा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और अमृत सरोवर योजना के कार्यान्वयन पर विस्तृत चर्चा की।

****

मौसम विभाग ने आज प्रदेश के कई इलाकों में लू चलने का अनुमान जताया है। वहीं प्रदेश के पूर्वी इलाकों में कहीं कहीं गरज चमक के साथ बारिश भी हो सकती है। उधर कल शाम कई जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई, जिसके चलते भीषण गर्मी और लू से थोड़ी राहत मिली। कुशीनगर में आंधी और बारिश के बीच ओलावृष्टि भी हुयी।

****